रणजीत टाइम्स

इंदौर

शनिवार, 22 नवम्बर, 2025

वर्ष 01 | अंक 291 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

औद्योगिक उन्नति का नया अध्याय

मुख्यमंत्री ने भोपाल में 'संघीय प्रदर्शनी 2025' का शुभारंभ किया, बोले-"वैश्विक सहयोग से विकास के नए द्वार खुल रहे हैं"

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को राजधानी भोपाल के गोविंदपुरा क्षेत्र में स्थित जीआईए प्रदर्शनी केंद्र में 'संघीय प्रदर्शनी 2025' का भव्य शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज मध्यप्रदेश वैश्विक सहयोग, औद्योगिक समन्वय और नई तकनीकी संभावनाओं के माध्यम से विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार और औद्योगिक जगत के संयुक्त प्रयासों से आने वाले वर्षों में यह आयोजन और अधिक विशाल, आकर्षक और प्रभावशाली रूप लेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में निवेश के लिए अत्यंत अनुकूल वातावरण तैयार किया जा चुका है, जहां सभी क्षेत्रों में संतुलित, पारदर्शी और तीव्र गति से कार्य निरंतर जारी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नवाचार को प्रोत्साहन देने, उद्यमिता को बढ़ावा देने और उद्योगों को आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ संकल्पित है, ताकि प्रदेश में समृद्धि और आर्थिक मजबूती कायम हो सके। डॉ. यादव ने कहा-"मध्यप्रदेश में खुशहाली लाना हमारा संकल्प है और हम इसी दिशा में पूरी निष्ठा से कार्य कर रहे हैं।"

उन्होंने कहा कि 'संघीय प्रदर्शनी' केवल एक औद्योगिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह मध्यप्रदेश की औद्योगिक क्षमता, नवोन्मेषी प्रयासों और भविष्य की संभावनाओं को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का सशक्त मंच है। यह प्रदर्शनी राज्य में नए उद्योगों, विनिर्माण इकाइयों और तकनीकी संस्थानों को आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, जिससे रोजगार के हजारों अवसर उत्पन्न होंगे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने भरोसा जताया कि यह प्रदर्शनी प्रदेश की औद्योगिक यात्रा में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं, युवाओं, किसानों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है, और उद्योगों की प्रगति भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि वे शनिवार को हैदराबाद में आयोजित एक विशेष संवाद सत्र में शामिल होंगे

जहां देश के प्रमुख उद्योगपतियों के साथ व्यक्तिगत रूप से विचार-विमर्श करेंगे। इस बैठक का उद्देश्य मध्यप्रदेश में बड़े स्तर पर निवेश आकर्षित करना, रोजगार के अवसरों को बढ़ाना और औद्योगिक विकास की गति को और अधिक तेज करना है। उन्होंने कहा कि इन बैठकों से निवेश की एक नई श्रृंखला शुरू होगी, जो मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी एक सशक्त औद्योगिक केंद्र बनाएगी। भोपाल में आयोजित यह 'संघीय प्रदर्शनी 2025' प्रदेश के औद्योगिक भविष्य की दिशा तय करने वाला एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है।

मौसम का बड़ा बदलाव तय,

दो दिन और चलेगी कड़ाके की ठंड, कई जिलों में आज अलर्ट जारी

भोपाल। मध्य प्रदेश में मौसम एक बार फिर करवट बदलने को तैयार है और अगले कुछ दिनों में राज्य के कई हिस्सों में ठंड और तेज़ महसूस होगी। भोपाल मौसम केंद्र के मुताबिक, वर्तमान में एक ऊपरी हवा का चक्रवातीय परिसंचरण मलक्का जलडमरूमध्य के मध्य भागों में करीब 5.8 किमी की ऊँचाई पर सक्रिय है।

इस सिस्टम के प्रभाव से 22 नवंबर के आसपास दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी पर एक निम्न दाब क्षेत्र बनने की संभावना जताई गई है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि यह सिस्टम उसके बाद पश्चिम-उत्तरी-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ेगा और 24 नवंबर के आसपास दक्षिण बंगाल की खाड़ी के मध्य क्षेत्रों में पहुँचकर अवदाब यानी डिप्रेशन का रूप ले सकता है। इसके बाद अगले 48 घंटों तक इसके और अधिक तीव्र होने की संभावना है और यह दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी की ओर बढ़ सकता है। इन समुद्री बदलावों का सीधा प्रभाव मध्य प्रदेश के मौसम पर भी पड़ेगा।

पुनरीक्षण अभियान सख्ती सराहना के साथ जारी,

लापरवाही पर कार्रवाई और मेहनत पर मिला सम्मान

ग्वालियर। मध्य प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर अभियान पूरे जोर पर चल रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह ग्वालियर जिले में भी बूथ स्तर अधिकारियों द्वारा घर-घर पहुंचकर गणना फार्म दिए जा रहे हैं, उन्हें भरवाया जा रहा है और फिर पूरी जानकारी को ऑनलाइन दर्ज किया जा रहा है। चुनाव आयोग के निर्देश पर जिला निर्वाचन अधिकारी पूरे अभियान की निरंतर निगरानी कर रहे हैं, ताकि मतदाता सूची को अत्यंत सटीक और त्रुटिरहित बनाया जा सके। इसी निगरानी प्रक्रिया में जहां अच्छे कार्य के लिए कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया जा रहा है, वहीं लापरवाह और गैर-जिम्मेदार कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई भी की जा रही है।

ग्वालियर कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी रुचिका चौहान की देखरेख में जिले में यह पूरा अभियान तेजी से चल रहा है। लगातार निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न मतदान केंद्रों पर तैनात कर्मचारियों की उपस्थिति, उनके कार्य की प्रगति और संपूर्ण प्रक्रिया की गंभीरता से समीक्षा की। इस दौरान उन्हें कुछ कर्मचारियों का सराहनीय कार्य तो नजर आया, लेकिन एक कर्मचारी की लापरवाही इतनी गंभीर पाई गई कि उसकी सेवा ही समाप्त करना पड़ी। इसके ठीक उलट, जो

कर्मचारी देर रात तक मेहनत करते हुए मतदाता सूची सुधारने में जुटे पाए गए, उन्हें कलेक्टर ने स्वयं जाकर समोसा खिलाकर प्रोत्साहित किया, जिससे पूरे स्टाफ में उत्साह का माहौल बन गया। एसआईआर कार्य के दौरान नगर निगम के आउटसोर्स कर्मचारी धर्मेंद्र सिंह यादव को लापरवाही और सहयोग न करने के कारण भारी नुकसान उठाना पड़ा। कलेक्टर के निर्देश पर नगर निगम ने उन्हें सेवा से अलग करने का आदेश जारी कर दिया। इस आदेश को अपर आयुक्त द्वारा कंपनी सेंगर सिक्योरिटी एंड लेबर सर्विसेज लिमिटेड को भेज दिया गया और धर्मेंद्र यादव की सेवाएं वापस कर दी गईं।

वे जल प्रदाय उपखंड लश्कर पश्चिम क्षेत्र के अधीन 02 पीएचई विभाग में तैनात थे और उनकी ड्यूटी शासकीय प्राथमिक विद्यालय भवन गोल पहाड़िया के पूर्वी भाग के कमरे में बीएलओ सहायक के रूप में लगाई गई थी।

लाल किला ब्लास्ट के बाद ऐक्शन में एलजी

दिल्ली पुलिस कमिश्नर और सीएस को दिए 5 निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने हाल ही में लाल किले के बाहर हुए आतंकवादी विस्फोट के बाद दिल्ली के पुलिस कमिश्नर और मुख्य सचिव को एहतियाती और निवारक कदम उठाने का निर्देश दिया है। एलजी सचिवालय की ओर से पुलिस कमिश्नर और मुख्य सचिव को भेजे गए अलग-अलग पत्र में पुलिस को कई निर्देश जारी किए गए हैं। बता दें कि, दिल्ली में 10 नवंबर की शाम एक हुंडई द्व20 कार में हुए धमाके में 12 लोग मारे गए थे और करीब 24 लोग घायल हुए थे।

एलजी ने अपने पत्र में कहा है कि दिल्ली में अमोनियम नाइट्रेट का निश्चित सीमा से अधिक कारोबार करने वालों का रिकॉर्ड रखा जाए। इसके साथ ही सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स के साथ विचार-विमर्श कर नफरती और भड़काऊ कंटेंट पर नजर रखी जाए। सीसीटीवी कैमरा कवरेज और सुरक्षा कर्मियों की तैनाती पर नजर रखने के लिए भीड़भाड़ वाले बाजारों और बस अड्डों का सुरक्षा ऑडिट किया जाए।

एलजी की ओर से भेजे गए पत्र में क्या-क्या निर्देश दिए गए

1. एक निश्चित सीमा से अधिक अमोनियम नाइट्रेट खरीदने और बेचने वाली संस्थाओं का एक डिजिटल रिकॉर्ड बनाकर रखा जाए, जिसमें अन्य संबंधित डिटेल के अलावा खरीदारों और विक्रेताओं की तस्वीर भी शामिल हो।
2. नागरिकों का ब्रेनवॉश करने के उद्देश्य से कट्टरपंथी सामग्री की वैज्ञानिक ट्रैकिंग के लिए मेटा, ट्विटर एक्स आदि सहित सोशल मीडिया प्लैटफार्मों के प्रमुखों के साथ विचार-विमर्श करें।
3. कट्टरपंथ से ग्रस्त कमजोर क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए मानवीय और तकनीकी खुफिया जानकारी को मजबूत करें। अधिक मजबूत निवारक पुलिसिंग के लिए सामुदायिक आउटरीच और नागरिक जुड़ाव को भी बढ़ाया जाना चाहिए।
4. ऐसे मेडिकल प्रोफेशनल्स जिन्होंने दूसरे देशों से डिग्री ली है, उनकी जानकारी पुलिस डिपार्टमेंट के साथ भी शेयर की जानी चाहिए ताकि सेकेंडरी बैकग्राउंड चेक किया जा सके।
5. सेकेंड हैंड गाड़ियों की खरीद-फरोख्त में लगे सभी डिजिटल प्लैटफॉर्म और फाइनेंसर के साथ चर्चा करें। साफ निर्देश दिए जाने चाहिए कि किसी भी हालत में ऐसी गाड़ियों को चलने की इजाजत नहीं दी जाएगी जिनका असली मालिक रजिस्टर्ड मालिक से अलग हो। यह समस्या ऑटो रिक्शा के मामलों में सबसे ज्यादा गंभीर बताई जाती है, जहां परमिट होल्डर असली मालिक से अलग होता है।

लाल किले के धमाके ने दिल्ली पुलिस को बदल दिया

अब हर गाड़ी-हर बैग पर शक

नई दिल्ली, एजेंसी। लाल किले के पास हुए भयानक धमाके के बाद दिल्ली पुलिस पूरी तरह से बदल गई है। पहले जहां पुलिस की दिनचर्या में सिर्फ रूटीन चेकिंग होती थी, अब हर पुलिसवाला हर पल अलर्ट मोड में है। पार्क की हुई गाड़ी हो या दुकान के बाहर खड़ा कोई बैग अब कुछ भी सामान्य नहीं लगता। पुलिस लगातार मुस्तैद दिखाई देती है और हर गतिविधि पर पैनी नजर रखती है।टीओआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, करोल बाग के मशहूर गफ्फार मार्केट में तो माहौल ही अलग है। 10 नए-नए बोर्ड लग गए जिन पर पुलिस का नंबर चमक रहा है। ऊंचे-ऊंचे मचान और मोर्चे बन गए। हर दस मिनट में लाउडस्पीकर गरजता है- कोई संदिग्ध वस्तु दिखे तो तुरंत बताएं। मोबाइल की दुकानों को सख्त हिदायत दी गई है कि फोन देने से पहले ग्राहक का आईडी अच्छे से चेक कीजिए। स॥ह्र करुणा सागर ने बताया कि ब्लास्ट के अगले दिन सुबह से ही सख्ती शुरू हो गई थी। धमाके वाली शाम कोतवाली थाने में कांस्टेबल अनिल ओझा ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज देख रहे थे। अचानक ज़ोरदार धमाका हुआ और थाने की छत का एक टुकड़ा गिर गया। वो बताते हैं कि पहले तो लगा कोई पेड़ गिर गया, लेकिन बाहर निकले तो चीखें सुनाई दीं। सब-इंस्पेक्टर रमेश चंद उस शाम आसपास गश्त कर रहे थे। वे बताते हैं, अब सब कुछ बदल गया है। गश्त का पैटर्न, निगरानी, यहां तक कि अनाउंसमेंट का लहजा भी। अब गाड़ी रुकवा कर सबसे पहले रियर सीट में झांकते हैं। पार्किंग में चेकिंग दोगुनी कर दी। सिक्योरिटी गार्ड्स को भी ड्राइवर का भी एचएचएमडी से चेक करने के निर्देश दिए गए हैं। एसीपी अशीष कुमार बताते हैं, गफ्फार और अजमल खान मार्केट पहले से ही संवेदनशील थे, लेकिन धमाके के बाद तो डर साफ दिख रहा था। लाखों लोग आते-जाते हैं, दर्जनों गेट हैं, हमने ष्ठस्नस्ष्ठ और एचएचएमडी चेकिंग को और सख्त कर दिया।

दिल्ली के द्वारका में होगी पानी की किल्लत खत्म !

नई दिल्ली, एजेंसी। द्वारका और इसके आसपास के इलाके में पानी की किल्लत झेलने वाले लाखों लोगों को जल्द राहत मिलने वाली है। जल बोर्ड ने पानी की किल्लत दूर करने के लिए 50 एमजीडी क्षमता के द्वारका जल शोधन संयंत्र के संचालन के लिए कच्चे पानी की पुनर्वितरण योजना को अंतिम रूप दे दिया है। ओखला, वजीराबाद, निलोठी और द्वारका के प्रमुख ट्यूबवेल में उपलब्ध भूजल संसाधनों के माध्यम से यहां निर्बाध कच्चे पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। इससे द्वारका एवं आसपास के इलाकों में पानी की आपूर्ति में सुधार आएगा। जल बोर्ड की प्रस्तावित योजना के अनुसार कुल 228 ट्यूबवेल से 22.8 एमजीडी कच्चा पानी निकाला जाएगा। इसकी आपूर्ति ओखला, वजीराबाद, नांगलोई और नए द्वारका जल शोधन संयंत्र में की जाएगी। यह पूरी प्रणाली मौजूदा जल ढांचे को प्रभावित किए बिना कच्चे पानी के स्रोतों का वैज्ञानिक और संतुलित उपयोग सुनिश्चित करेगी। इस महत्वपूर्ण पहल को लेकर जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि दिल्ली की बढ़ती आबादी को बहाने नहीं बल्कि आधुनिक जल समाधान चाहिए। 50 एमजीडी क्षमता वाले द्वारका जल शोधन संयंत्र का संचालन राजधानी की भविष्य की जल आवश्यकताओं को सुरक्षित करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। मंत्री ने कहा कि पानी की हर बूंद महत्वपूर्ण है। विभाग यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि दिल्ली को उसका उचित जल हिस्सा पूरी पारदर्शिता और वैज्ञानिक योजना के साथ मिले। उन्होंने कहा कि यह केवल भूजल का पुनर्वितरण नहीं है, यह जिम्मेदारी का पुनर्वितरण है। अभी तक जिन प्रणालियों को नजरअंदाज किया गया था, उन्हें हम सुधार रहे हैं। दिल्ली के लोग इसका प्रत्यक्ष लाभ महसूस करेंगे। दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारी योजना के कार्यान्वयन के चरण में प्रवेश कर रहे हैं। इसे चरणबद्ध रूप से लागू किया जाएगा ताकि मौजूदा जल आपूर्ति बाधित न हो।

नॉर्मल लाइफ नहीं बची... किले में तब्दील हुआ अल फलाह

पुलिस के पहरे में डरे हुए हैं छात्र

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के लाल किले के बाहर 10 नवंबर को हुए धमाके ने एक निजी मेडिकल कॉलेज को रातों-रात सुर्खियों में ला दिया। फरीदाबाद का अल फलाह मेडिकल कॉलेज इन दिनों ऐसा लग रहा है मानो कोई थ्रिलर फिल्म का सेट हो। चारों तरफ पुलिस, मीडिया का हल्ला और स्टूडेंट्स-परेंट्स की धड़कनें तेज। यहां पढ़ने वाले स्टूडेंट के अभिभावकों में भी डर का माहौल है। जिस कार ने लाल किले के बाहर धमाका किया, उसे डॉ. उमर उन नबी चला रहा था। उमर अल फलाह में असिस्टेंट प्रोफेसर था। वहीं हरियाणा के जिस दौज गांव में पुलिस ने भारी मात्रा में

विस्फोटक बरामद किए, उस किराए के मकान का मालिक था दूसरा प्रोफेसर डॉ. मुजम्मिल शकील था। दोनों अल फलाह में पढ़ाते थे। ऐसे में अल फलाह के स्टूडेंट्स के मन में डर और कई सवाल आने लाजमी हैं। अल फलाह यूनिवर्सिटी में गुरुवार से फिर से क्लासेस शुरू हो गईं। लेकिन यूनिवर्सिटी के बाहर भारी पुलिस बल तैनात रहा। अंदर स्टूडेंट्स डरे-सहमे दिखे। वहीं स्टूडेंट्स के माता-पिता उन्हें कॉलेज छोड़ने आए और बाहर इंतजार करते रहे। अगरा से आई एक लड़की के पिता मनोज कुमार ने बताया, पहले तो घर बुला लिया था। अब वापस भेज दिया, लेकिन दिल अभी भी धुकधुक कर रहा है। साल खराब करने का मन नहीं, पर जान का भी डर है। लखनऊ से आए सुशील मेहता का बेटा यहां पढ़ता है। वो कहते हैं, बच्चे ने इतनी मेहनत की थी ह्वश्वश्वञ्ज में। अब कॉलेज को खुलकर बताना होगा कि क्या हो रहा है।

पाकिस्तान की फैक्ट्री में बॉयलर में जोरदार धमाका, 15 लोगों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी।
पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में शुक्रवार को एक केमिकल फैक्ट्री में बड़ा हादसा हो गया। जहां तड़के सुबह बॉयलर ब्लास्ट हो गया। धमाका इतना भयानक था कि इससे फैक्ट्री में न सिर्फ आग लगी, बल्कि आस-पास की इमारतें भी गिर गईं। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए।

दरअसल,पंजाब प्रांत में लाहौर से 130 किमी की दूरी पर स्थित फैसलाबाद जिले के मलिकपुर इलाके में सुबह सुबह एक कैमिकल फैक्ट्री में बॉयलर फटने से बड़ा धमाका हुआ। फैक्ट्री के बॉयलर में धमाके से कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। जिन्हें उपचार के

लिए अस्पताल लाया गया।

धमाके से गिरी बिल्डिंगत्न फैसलाबाद के डिप्टी कमिश्नर राजा जहांगीर अनवर ने रिपोर्टर्स को बताया कि मलिकपुर इलाके में एक केमिकल फैक्ट्री में बॉयलर में हुए जबरदस्त धमाके की वजह से आस-पास की इमारतें, जिसमें एक बिल्डिंग भी शामिल है, गिर गईं।

रेस्क्यू ऑपरेशन जारी: डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि अब तक रेस्क्यू टीमों ने मलबे से 15 लाशें निकाली हैं और सात घायलों को हॉस्पिटल पहुंचाया गया है। डर है कि मलबे के नीचे और लोग हो सकते हैं। रेस्क्यू टीमें मलबा हटाने में लगी हुई हैं।

● मारिया कोरिना मचाडो के प्राइज लेने में बड़ा अड़गा

नोबेल के सम्मान के साथ अपमान भी मिलेगा

लंदन, एजेंसी।
नोबेल पुरस्कार विजेता मारिया कोरिना मचाडो व्यक्तिगत रूप से अवॉर्ड लेने जाने पर रोक लग सकती है। खबर है कि अगर वह पुरस्कार लेने नॉर्वे गईं, तो उन्हें वेनेजुएला सरकार भगोड़ा घोषित कर सकती है। पुरस्कार वितरण समारोह 10 दिसंबर को होना है। लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रचार के लिए उन्हें नोबेल से नवाजा गया है। मचाडो के खिलाफ आतंकवाद संबंधी कई मामले दर्ज हैं। वेनेजुएला के एटॉर्नी जनरल तारिक विलियम साब ने कहा है कि विपक्ष की नेता मचाडो अगर नॉर्वे जाती हैं, तो उन्हें भोगाड़ा माना जाएगा। मचाडो का कहना है कि वह वेनेजुएला में छिपी हुई हैं और पुरस्कार लेने के लिए 10 दिसंबर को ओस्लो जाना चाहती हैं। साब ने कहा, कई आपराधिक जांचें चलने

के बाद वेनेजुएला से बाहर जाने पर उन्हें भगोड़ा माना जाएगा।एजी ने कहा कि कैरेबियन में सैन्य तैनाती के लिए अमेरिका की मदद करने के मामले में भी मचाडो के खिलाफ जांच चल रही है। खास बात है कि मचाडो ने सैन्य मौजूदगी का स्वागत किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के सबसे बड़े एयरक्राफ्ट कैरियर, युद्धपोत और लड़ाकू विमानों को तैयार किया है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के आरोप हैं कि इसके जरिए उनकी सरकार गिराने की कोशिश की जा रही है।

अक्तूबर में मचाडो ने कहा था कि वेनेजुएला की जनता की संप्रभु इच्छा को सम्मान दिलाने के लिए हम दृढ़ संकल्पित हैं और इस समय संघर्ष में हमारे मुख्य सहयोगी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हैं। नॉर्वे की नोबेल समिति के अध्यक्ष जॉर्गन वात्ने फ्रिडनेस ने मारिया की जमकर तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि वेनेजुएला में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए विपक्ष की उम्मीदवार रहीं मारिया को राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सरकार के खिलाफ कभी गहराई तक विभाजित विपक्ष को एकजुट करने वाली महत्वपूर्ण शख्सियत के रूप में सराहा गया है। फ्रिडनेस ने कहा, मारिया पिछले एक साल से छिपकर रहने के लिए मजबूर हैं।

साफ-सफाई और अवसंरचना सुधार को लेकर बड़ी कार्रवाई तेज

निगमायुक्त-प्राधिकरण सीईओ का संयुक्त निरीक्षण, महापौर ने भी कई क्षेत्रों में ली कार्यों की समीक्षा

इंदौर। शहर में साफ-सफाई, अवसंरचना विकास और अतिक्रमण हटाने को लेकर शनिवार सुबह नगर निगम और इंदौर विकास प्राधिकरण की संयुक्त टीम सक्रिय दिखाई दी। निगमायुक्त दिलीप कुमार यादव और प्राधिकरण के सीईओ डॉ. परीक्षित झाड़े ने योजना 136 में निरीक्षण किया, जहां पर बड़ी संख्या में खाली भूखंडों पर कचरा डंप मिलता पाया गया। अधिकारियों ने साफ निर्देश दिए कि इन भूखंडों पर कचरा फेंकने वालों पर जुर्माना लगाया जाएगा और भूखंड मालिकों को नोटिस जारी करते हुए प्री-कॉस्ट बाउंड्रीवॉल बनाना अनिवार्य किया जाएगा, ताकि भविष्य में कचरा डंपिंग रोकी जा सके। निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि कई भूखंडों पर अतिक्रमण किया गया है। प्राधिकरण ने निर्णय लिया है कि निगम की सहायता से इन अतिक्रमणों को हटाया जाएगा। बदले में प्राधिकरण इन भूखंडों के आवंटियों की सूची नगर निगम को सौंपेगा, जिससे बकाया संपत्ति कर, कचरा शुल्क और अन्य देय राशि की वसूली सुगमता से की जा सके। योजना 136 में सीएसआर के तहत बनाए जा रहे आधा दर्जन गार्डन 'अहिल्या वन' के विकास कार्य में हो रही देरी पर भी निगमायुक्त ने नाराजगी जताई और एजेंसी को नोटिस जारी करने तथा गार्डन वापस निगम को सौंपने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान यह भी तय किया गया कि एमआर-11 से बायपास और एबी रोड तक मास्टर प्लान की 100 फीट रोड का निर्माण जल्द शुरू किया जाएगा। इस मार्ग पर अमृत योजना के तहत सीवरेज लाइन भी बिछाई जानी है, इसलिए दोनों कार्य समानांतर रूप से किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

दूसरी ओर, महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने वार्ड 8 के कई क्षेत्रों– छीपा बाखल, अहिल्या पल्टन, तंबोली बाखल और अन्य इलाकों का विस्तृत निरीक्षण किया। महापौर ने गोराकुंड से सुभाष मार्ग तक प्रस्तावित ड्रेनेज लाइन के कार्य का जायजा लिया और कार्य में हो रही देरी पर नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी करने और इसके बाद भी काम शुरू न करने पर ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश दिए।

तंबोली बाखल में ड्रेनेज लाइन सही स्तर पर न डाले जाने और सफाई होने के बाद भी ड्रेनेज गार्ड न हटाए जाने पर महापौर ने अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। चौथी पलटन क्षेत्र में बोरिंग कार्य पूरा होने के बाद जलप्रदाय लाइन न बिछने पर भी महापौर ने नाराजगी जताई और निर्देश दिए कि उसी दिन क्षेत्रवासियों को जलप्रदाय कनेक्शन उपलब्ध कराया जाए। निगम और प्राधिकरण की संयुक्त कार्रवाई तथा महापौर के निरीक्षण से साफ है कि शहर में अवसंरचना, सफाई व्यवस्था और विकास कार्यों को गति देने के लिए प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। उम्मीद जताई जा रही है कि इन निर्देशों के बाद संबंधित विभाग तेजी से कार्य पूरा करेंगे और नागरिकों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी।

सड़कों की मरम्मत तेज 200 से ज्यादा मार्ग सुधर

इंदौर। शहर की खस्ताहाल सड़कों को दुरुस्त करने के लिए नगर निगम ने रात में चलने वाला पैचवर्क अभियान तेज कर दिया है। निगम अधिकारियों के अनुसार अब तक 200 से ज्यादा मुख्य मार्गों पर पैचवर्क के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। हालांकि पूरे शहर की सड़कों को सुधारने में अभी लगभग एक माह और लगेगा, क्योंकि फिलहाल यह अभियान केवल प्रमुख मार्गों तक ही सीमित है।

पिछले कुछ दिनों से शुरू किए गए इन मरम्मत कार्यों के बीच दो से तीन बार मौसम और तकनीकी कारणों से काम बाधित हुआ था, लेकिन उसके बाद निगम ने फिर से पूरी गति से काम शुरू करवाया। पहले चरण में सिर्फ मुख्य और व्यस्त मार्गों को प्राथमिकता दी गई है। इनमें मधुमिलन, बीआरटीएस कॉरिडोर, गीता भवन, दवा बाजार, शास्त्री ब्रिज के आसपास का क्षेत्र, रीगल, पलासिया, हुकमचंद घंटाघर क्षेत्र और एमजी रोड के कई हिस्सों पर सड़कों की मरम्मत पूरी कर ली गई है। नगर निगम के अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर ने बताया कि अलग-अलग एजेंसियों की 7 टीमें प्रतिदिन रात में शहर के विभिन्न हिस्सों में जाकर पैचवर्क कर रही हैं। झोनल अधिकारियों को हर टीम के साथ तैनात किया गया है, ताकि मरम्मत कार्य की गुणवत्ता पर लगातार निगरानी रखी जा सके। उनके मुताबिक अभियान सुचारू रूप से आगे बढ़ रहा है, लेकिन पूरे शहर की सड़कें सुधारने में एक माह का समय और लगेगा। मुख्य मार्गों के बाद दूसरे चरण में वार्डों की प्रमुख सड़कों पर पैचवर्क अभियान चलाया जाएगा। नगर निगम का दावा है कि इस बार पैचवर्क की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि आगामी मौसम में सड़कों की स्थिति फिर खराब न हो। रात में काम कराने का उद्देश्य यातायात में बाधा कम करना और तेजी से लक्ष्य पूरा करना बताया जा रहा है।

चंद्रभागा से मच्छी बाजार तक नई सड़कों का निर्माण शुरू होने की तैयारी, पहले नर्मदा और ड्रेनेज लाइनें बिछाई जाएंगी

बाधक हटाने को नोटिस, 80 फीट चौड़ी सड़क से मिलेगा नया मार्ग

इंदौर। शहर के पुराने और व्यस्त इलाकों को बेहतर सड़क नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में नगर निगम ने बड़ी तैयारी शुरू कर दी है। चंद्रभागा से मच्छी बाजार तक नई सड़क निर्माण की प्रक्रिया अब तेज हो चुकी है। इससे पहले निगम नर्मदा जल लाइन और ड्रेनेज पाइपलाइन बिछाने के महत्वपूर्ण काम को प्राथमिकता दे रहा है, ताकि सड़क बनने के बाद दोबारा खुदाई जैसी समस्याएं न हों। दो दिन पहले निगम अधिकारियों की संयुक्त टीम ने स्थल का निरीक्षण किया था और निर्देश दिए थे कि अगले चार से पांच दिनों में काम शुरू कर दिया जाए। चंद्रभागा से गौतमपुरा, कंबल वाली गली होते हुए सरवटे टू गंगवाल की अधूरी सड़क को पूरा बनाने की योजना तैयार कर ली गई है। बीते दिनों नगर निगम ने पूरे इलाके में नपती और मार्किंग कर बाधकों की पहचान भी कर ली है। निगमायुक्त दिलीप कुमार यादव ने निर्देश दिए थे कि नई सड़कों से पहले सभी लाइनों का कार्य पूरा किया जाए। इसी के चलते अब चंद्रभागा क्षेत्र से ड्रेनेज और नर्मदा सप्लाई लाइनों का काम पहले चरण में शुरू किया जा रहा है। निगम के अनुसार इन कार्यों के लिए टेंडर की प्रक्रिया पहले से ही पूरी की जा चुकी है। इस परियोजना के तहत चंद्रभागा से 80 फीट चौड़ी मुख्य सड़क बनाई जाएगी। इसके साथ ही एक और नई सड़क पुरानी सीपी शेखर नगर बस्ती से होते हुए हरसिद्धि जोनल कार्यालय तक बनाई जाएगी। नई सड़क बनने के बाद यात्रियों को चंद्रभागा से हरसिद्धि झोन तक जाने में काफी आसानी होगी और ट्रैफिक दबाव भी कम होगा। बाधा हटाने की प्रक्रिया शुरू, 70 से अधिक बड़े और 40 छोटे अवरोध चिह्नित सड़क निर्माण में सबसे बड़ी चुनौती रूप में सामने आए 70 से अधिक बड़े और करीब 40 छोटे निर्माण बाधकों को हटाने के लिए निगम ने नोटिस जारी कर दिए हैं। पहले ही क्षेत्र में निशान लगा दिए गए थे और अब रहवासियों को एक महीने की मोहलत दी गई है कि वे अपने बाधक हिस्सों को स्वयं हटा लें। इसके बाद निगम की टीमें मौके पर पहुंचकर कार्रवाई शुरू करेंगी। बाधाएं सर्वाधिक कंबल वाली गली और मच्छी बाजार मेन रोड पर चिन्हित की गई हैं। नगर निगम का मानना है कि इन बाधाओं के हटने और सभी लाइनों के काम पूरा होने के बाद सड़क निर्माण तेज गति से शुरू हो सकेगा, जिससे इस क्षेत्र को आधुनिक और व्यवस्थित यातायात सुविधा प्राप्त होगी।

सुदर्शन राष्ट्र निर्माण संगठन

इंदौर के उपाध्यक्ष अमन मंडलोई को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सुदर्शन राष्ट्र निर्माण संगठन इंदौर के कर्मठ, समर्पित एवं समाजसेवी उपाध्यक्ष अमन मंडलोई को जन्मदिवस की ढेरों बधाइयाँ और शुभकामनाएँ। ईश्वर से प्रार्थना है कि वे सदा स्वस्थ रहें, दीर्घायु हों और समाजसेवा के पथ पर इसी तरह प्रेरणादायक कार्य करते रहें। आपका नेतृत्व, ऊर्जा और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण संगठन के लिए सदैव अनुकरणीय है।

शुभकामनाकर्ता

राजेश धाकड़
पत्रकार

सुप्रीम कोर्ट ने खींची संवैधानिक लक्ष्मण रेखा, राज्यपालों को समय सीमा में बांधने से इंकार

नई दिल्ली। भारत का संवैधानिक ढांचा तीन स्तंभों-कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका—के संतुलन पर खड़ा है। तीनों के बीच यह संतुलन तब बिगड़ता है, जब कोई भी संस्था अपनी सीमा का अतिक्रमण करती है।

हाल ही में आए सुप्रीम कोर्ट के एक महत्वपूर्ण फैसले ने इसी संवैधानिक अनुशासन को दोबारा रेखांकित किया है और साफ संदेश दिया है कि संविधान की व्याख्या करने का अधिकार होने के बावजूद न्यायपालिका को भी अपनी सीमाओं में रहकर काम करना चाहिए। तमिलनाडु के मामले में सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय पीठ ने पहले यह टिप्पणी की थी कि यदि राज्यपाल विधेयकों पर समय पर निर्णय नहीं लेते, तो उन्हें स्वतः स्वीकृत माना जाएगा।

इतना ही नहीं, उस आदेश में राष्ट्रपति और राज्यपाल दोनों को समय सीमा में बांधने की भी बात कही गई थी। यह टिप्पणी न केवल विवादास्पद थी, बल्कि संवैधानिक ढांचे के विपरीत भी मानी गई, क्योंकि संविधान में ऐसी किसी स्वचालित स्वीकृति का प्रावधान नहीं है। न्यायपालिका के इस निर्णय पर विभिन्न पक्षों की ओर से सवाल उठे और अंततः राष्ट्रपति को भी इस मामले में हस्तक्षेप कर स्पष्टीकरण मांगना पड़ा। राष्ट्रपति द्वारा उठाए गए सवालों पर विचार करने के बाद संविधान पीठ ने साफ कहा कि दो सदस्यीय पीठ का फैसला असंवैधानिक था।

संपादकीय

टूटे भरोसे को जोड़ने की कोशिश

अंगदान से किसी को भी नया जीवन दिया जा सकता है, इसलिए इसे महादान कहा जाता है। यह मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। मगर भारत में अंगदान और प्रत्यारोपण की प्रक्रिया में चुनौतियां भी कम नहीं हैं। दानदाताओं की कमी और बुनियादी व्यवस्था का अभाव सबसे बड़ा संकट है। समाज में अंगदान के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए सरकारी प्रयास नाकाफी साबित हो रहे हैं।

दूसरी ओर, अंगदान की वैधता और गैर वैधता को लेकर कानून बनाया गया है, लेकिन यह देश के तमाम राज्यों में न तो समान रूप से लागू हो पाया है और न ही इस पर कड़ाई से अमल हो पा रहा है। यही वजह है कि अब सर्वोच्च न्यायालय ने अंगदान और इसके आबंटन एवं प्रत्यारोपण के लिए एक पारदर्शी और सक्षम प्रणाली बनाने के लिए केंद्र सरकार को राज्यों के परामर्श से एक राष्ट्रीय नीति तथा समान नियम बनाने के निर्देश दिए हैं। शीर्ष अदालत ने अंगदान करने वालों को शोषण और उत्पीड़न से बचाने के वास्ते हर स्तर पर पुख्ता बंदोबस्त करने के लिए भी कहा है।

देश में मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 में मौजूदा समय के हिसाब से संशोधन किए गए हैं। मगर कुछ राज्यों ने इन संशोधनों पर अभी तक अमल नहीं किया है। इनमें आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु और मणिपुर जैसे कई राज्य शामिल हैं। इससे स्पष्ट है कि अंगदान और प्रत्यारोपण को लेकर विभिन्न राज्यों के नियमों में समानता नहीं है। इसका खमियाजा न केवल अंगदाताओं, बल्कि प्रत्यारोपण का इंतजार करने वाले मरीजों को भी भुगतना पड़ता है।

यही वजह है कि देश में इस संबंध में राष्ट्रीय नीति की जरूरत महसूस की जा रही है। शीर्ष

अदालत ने नई नीति में अंग प्रत्यारोपण के लिए आदर्श आबंटन मानदंड निर्धारित करने को कहा है। साथ ही इस बात को भी रेखांकित किया है कि इसमें लिंग और जातिगत पूर्वाग्रह के मुद्दों पर ध्यान दिया जाना चाहिए और राज्यवार विसंगतियों को समाप्त करने के लिए अंगदाताओं के वास्ते एक समान नियम तय किए जाएं।

अंगदान में कमी और प्रत्यारोपण से जुड़ी समस्याओं के लिए कई कारक जिम्मेदार हैं। इनमें जागरूकता की कमी, पारिवारिक सहमति का अभाव, नैतिक एवं सांस्कृतिक बाधाएं, विशेष चिकित्सा पेशेवरों की कम उपलब्धता, सीमित बुनियादी व्यवस्थाएं और अंगों की कालाबाजारी शामिल हैं। केंद्र सरकार की एक रपट के मुताबिक, देश में अंग प्रत्यारोपण की संख्या वर्ष 2013 में 4,990 से बढ़कर 2023 में 18,378 हो गई, फिर भी अंगदान की दर प्रति दस लाख जनसंख्या पर एक से भी कम है।

इससे साफ है कि लोगों को अंगदान के लिए प्रेरित करने के वास्ते व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। साथ ही अंगों की कालाबाजारी कर मुनाफा कमाने की गतिविधियों पर भी पूरी तरह रोक लगानी होगी। यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि जरूरतमंद का वैध तरीके से ही अंग प्रत्यारोपण हो और किसी अंगदाता के साथ धोखाधड़ी या उसका उत्पीड़न न हो।

इसके अलावा अंगों को निकालने, संग्रहीत करने और उन्हें समय पर विभिन्न क्षेत्रों में प्रत्यारोपण के लिए पहुंचाना भी एक बड़ी चुनौती है। देश में अंग प्रत्यारोपण की प्रक्रिया के लिए बहुत कम अस्पताल पंजीकृत हैं। साथ ही अंगों को दूसरी जगह पहुंचाने के लिए परिवहन व्यवस्था और पेशेवर कर्मियों का भी खासा अभाव है। ऐसे में राष्ट्रीय नीति के जरिए ही इन समस्याओं का समाधान किया जा सकता है।

बिहार की सियासत में नीतीश कुमार ने खींच दी एक बड़ी लाइन

कमलेश पांडे

कभी सुप्रसिद्ध समाजवादी विचारक किशन पटनायक ने कहा था कि विकल्पहीन नहीं है दुनिया, लेकिन बिहार की सियासत में नीतीश कुमार ने साबित कर दिया है कि कोई लाख चिल्ल-पों मचा ले, परंतु बिहार में मुख्यमंत्री बनने के लिए उनका कोई विकल्प नहीं है। ऐसा इसलिए कि बिहार के जागरूक मतदाताओं को भ्रष्टाचार के आरोपों से बेदाग, सुशासन पसंद और राजनीतिक परिवारवाद के धुर विरोधी नीतीश कुमार का नेतृत्व ही पसंद है। नीतीश कुमार एक बार बिहार के मुख्यमंत्री बने और 20 नवंबर 2025 को उन्होंने 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, जो एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड है। इस बार उन्हें अभूतपूर्व जनादेश मिला है, जिससे तमाम कयासों को धत्ता बताकर वे पुनः मुख्यमंत्री बने हैं। इस प्रकार बिहार की सियासत में नीतीश कुमार ने एक वैसी बड़ी लाइन खींच दी है, जिसे छोटा करना उनके सियासी विरोधियों के लिए कतई आसान नहीं है। हालांकि, अपने इस रिकॉर्ड को कायम करने के लिए उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में कई बार गठबंधन बदले हैं, जिसमें बीजेपी और महागठबंधन दोनों के साथ शामिल हुए हैं। वाकई नीतीश कुमार की राजनीति का मूल मंत्र व्यावहारिकता, लचीला गठबंधन और प्रशासनिक सुधार है, जिसके चलते वे बिहार की राजनीति के केन्द्रीय पात्र बने हुए हैं।

नीतीश कुमार के राजनीतिक बदलाव मुख्य रूप से सत्ता की भूख, सामाजिक परिवर्तन की इच्छा, गठबंधन रणनीति, और बिहार की जटिल राजनीतिक परिस्थितियों के कारण हुए हैं, जिन्होंने उन्हें बिहार की प्रमुख राजनीतिक शख्सियत बनाया है। नीतीश कुमार की राजनीति व्यावहारिकता, गठबंधन-केन्द्रित रणनीति और सुशासन के एजेंडे पर आधारित रही है, जहाँ वे विभिन्न दलों के साथ बार-बार गठबंधन बदलते हुए भी कई बार बिहार के मुख्यमंत्री बने हैं।

यही वजह है कि नीतीश कुमार को बिहार में 'इच्छा शासन' का स्तंभ माना जाता है, और उन्होंने बिहार में सत्ता के महत्वपूर्ण मंत्रालयों पर नियंत्रण बनाए रखा है। यह सभी तथ्य नीतीश कुमार के राजनीतिक गाम्भीर्य और प्रशासनिक कौशल को दर्शाते हैं, विशेष रूप से बिहार की राजनीति में उनकी भूमिका को दिखाते हैं। इनके प्रमुख फैसले लगातार गठबंधन राजनिति में संतुलन बनाना और विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित करना रहे हैं।

बहरहाल, 2024 में वह बीजेपी के साथ फिर से गठबंधन कर एनडीए के तहत मुख्यमंत्री पद पर बने रहे। उनके राजनीतिक फैसलों में बीजेपी के साथ गठबंधन तोड़कर महागठबंधन में शामिल होना, फिर से बीजेपी के साथ मिलकर सरकार बनाना प्रमुख रहे। उन्होंने अपने प्रशासनिक फैसलों में सत्ता नियंत्रण बनाए रखने के लिए कई बार रणनीति बदली, जैसे गृह मंत्रालय अपने पास रखने का अभियान।

विधानसभा चुनाव 2025 में उनकी पार्टी ने शानदार जीत हासिल की, जदयू की सीटें लगभग दोगुनी बढ़ीं और एनडीए को 202 सीटों का बहुमत मिला। इसके बाद उन्होंने मंत्रिमंडल में गठबंधन सहयोगियों को संतुलित स्थान देने का निर्णय लिया। उन्होंने सत्ता में बने रहने के लिए कई बार सरकार भंग की और गठबंधन बदला, जिससे उनकी सियासी मजबूती बनी रही।

देखा जाए तो नीतीश कुमार के प्रमुख राजनीतिक बदलाव उनके राजनीतिक कैरियर में उनके रणनीतिक फैसलों, गठबंधन परिवर्तन, और समाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों के अनुरूप उनके दृष्टिकोण में बदलावों का परिणाम रहे हैं।

इसलिए मुख्य राजनीतिक बदलाव और कारण को हम यहां पर गिना रहे हैं:- पहला, शुरुआती राजनीति और जेपी आंदोलन से उदयनीतीश कुमार का राजनीतिक सफर जनता दल (यूनाइटेड) के सदस्य से शुरू हुआ, और उन्होंने अपने शुरुआती करियर में समाजवादी विचारधारा को अपनाया। 1990 के दशक में उन्होंने जनता पार्टी / जनता दल के साथ मिलकर लोकशिक्षा व सामाजिक बदलाव पर फोकस किया। दूसरा, पहली बार मुख्यमंत्री बनना (2000): तत्कालीन और भौतिक राजनीतिक माहौल में बिहार में शांति व विकास के रास्ते पर लाने के लिए उन्होंने बिहार में पहली बार मुख्यमंत्री पद संभाला, लेकिन मात्र 7 दिनों के लिए सीएम बने थे। तीसरा, महागठबंधन बनाम भाजपा समर्थक नीतिः 2005 में उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के साथ गठबंधन किया, लेकिन 2013 में बीजेपी से नाता तोड़ सरकार से अलग हो गए, क्योंकि उन्हें लगा कि उनके सामाजिक-आर्थिक एजेंडे पर भाजपा की नीतियों में

बाधाएँ आ रहीं हैं। इसके बाद, उन्होंने जदयू को महागठबंधन, विशेष रूप से राजद (लालू प्रसाद यादव) के साथ शामिल किया, जो उनकी राजनीतिक रणनीति में बड़ा बदलाव था।

चतुर्थ, भाजपा के साथ फिर से संधि और वापस सरकार में आनाः 2017 में, नीतीश कुमार ने नरेंद्र मोदी और भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाई, जिसका मुख्य कारण सत्ता का स्थायित्व और बिहार में राजनीतिक स्थिरता था। इस निर्णय का कारण उनके दिल्ली और बिहार में होने वाले राजनीतिक दबाव, गठबंधन की राजनीतिक स्थिति, और बिहार में विकास की जरूरतें मानी जाती हैं।

पंचम, समाजिक सुधार और प्रशासनिक बदलावः व्यक्तिगत व्यवहार में सुधार, सामाजिक बदलाव, और प्रशासनिक पारदर्शिता को बढ़ावा देना उनके बदलाव का एक अहम पहलू रहा है, जिससे वे समाज में अपनी छवि को मजबूत करते गए हैं। कारणः राजनीतिक मजबूरियां, सत्ता बनाए रखना, सामाजिक आधार का विस्तार, और बिहार की जटिल राजनीतिक परिस्थितियों ने उनके इन बदलावों को प्रेरित किया। भीड़-भाड़ वाले पहले गठबंधन से संवाद और वफादारी की कमी, और सियासी विकल्पों का ढलान, उन्हें नए राजनीतिक समीकरण बनाने पर मजबूर किया। नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार की विकास नीतियों का प्रभाव समग्र रूप से सकारात्मक और व्यापक रहा है। उन्होंने 'न्याय के साथ विकास' के सिद्धांत पर काम करते हुए राज्य के विकास के पहिये को तेजी से घुमाया है, खासकर समाज के कमजोर वर्गों को मुख्यधारा में लाने और महिलाओं को सशक्त बनाने पर जोर दिया गया है। इससे बिहार राज्य में आर्थिक आत्मनिर्भरता और सामाजिक उत्थान की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। उनकी पॉलिसियों के तहत ग्रामीण क्षेत्रों के विकास, जैसे गांवों को जोड़ना, बुनियादी सुविधाओं का विस्तार, और योजना लाभों का व्यापक वितरण हुआ है। प्रशासनिक स्तर पर जन-केंद्रित नीतियों और पारदर्शिता के उपायों से भ्रष्टाचार कम करने और सरकारी सेवाओं की गुणवत्ता बेहतर बनाने में मदद मिली है। आर्थिक दृष्टिकोण से, बिहार ने खेती पर आधारित अर्थव्यवस्था के अलावा उद्योग और सेवा क्षेत्रों में भी विकास का रास्ता अपनाया है, जिससे रोजगार सृजन और आर्थिक स्थिरता बढ़ी है। जीएसटी जैसे सुधारों का समर्थन कर राज्य ने वित्तीय अनुशासन बनाया और बहुआयामी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ा है। हालांकि बिहार लंबे समय तक राजनीतिक अस्थिरता, भ्रष्टाचार और संसाधनों की कमी की चुनौतियों से जूझता रहा, नीतीश कुमार की सरकारों ने इसे दूर करने के लिए कई सुधार लागू किए जिनका असर अब दिखने लगा है।

आज बिहार में सड़क निर्माण, सिंचाई योजनाओं और सामाजिक सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार की गति तेज हुई है।इस प्रकार कहा जा सकता है कि नीतीश कुमार की नीतियों ने बिहार के सामाजिक-आर्थिक विकास में एक नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की है, और राज्य वर्तमान में विकास एवं आत्मनिर्भरता के पथ पर प्रभावी रूप से अग्रसर है। यह प्रभाव 2025 में भी चुनाव परिणामों और विकास परियोजनाओं में स्पष्ट दिखाई देता है।

पहला, गठबंधन आधारित राजनीतिः नीतीश कुमार ने पिछले दो दशकों में भाजपा , राजद-कांग्रेस (महागठबंधन) और अन्य दलों के साथ कई बार गठबंधन बदले हैं। वे जिस भी खेमे में जाते हैं, वहाँ सत्ता का केंद्र बन जाते हैं और सरकार बना लेते हैं; इसका उद्देश्य सत्ता में बने रहना और अपनी पार्टी की प्रासंगिकता बनाए रखना है।

दूसरा, सुशासन और सामाजिक न्यायः उनकी छवि 'सुशासन बाबू' की रही है, जहाँ कानून व्यवस्था, महिलाओं के सशक्तिकरण, पब्लिक सर्विस डिलीवरी व सामाजिक-आर्थिक विकास पर बल दिया गया। पंचायत चुनावों में अति पिछड़ा वर्ग आरक्षण, महिला आरक्षण और कानून व्यवस्था के लिए तेज रिफॉर्म लागू किए। आधारभूत ढांचे का विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का विस्तार और अमल उनकी मुख्य उपलब्धियां हैं।

तीसरा, विचारधारा और नेतृत्व शैलीः नीतीश समाजवादी विचारधारा से निकले नेता हैं, लेकिन उनकी राजनीति जमीनी समझ, समय के अनुसार रणनीति बदलने और वास्तविकता पर टिकी है। विपक्ष की तुलना में वे लचीले, समन्वयकारी और हमेशा प्रासंगिक बने रहने को प्राथमिकता देते हैं। यही नहीं, अपने शासन में उन्होंने बिहार में विकास योजनाओं पर जोर दिया है और संविदाकर्मियों को राज्यकर्मी का दर्जा देने जैसी पहल की है। प्रशासनिक स्तर पर अपनी कैबिनेट का आकार छोटा रखा है लेकिन भविष्य में विस्तार की बात कही है और मंत्रिमंडल में नए चेहरों को जिम्मेदारी देने का संकेत दिया है। नीतीश कुमार की राजनीतिक चालाकी और गठबंधन प्रबंधन ने उन्हें मुख्यमंत्री पद पर कई बार बनाए रखा, साथ ही भाजपा के लिए बिहार में सत्ता की मजबूती का रास्ता खोला। दोनों के बीच संतुलन बना रहना बिहार की राजनीतिक स्थिरता और विकास के लिए आवश्यक माना जाता है।इस तरह, नीतीश कुमार का सुशासन और सामाजिक गठबंधन पर जोर और भाजपा की केंद्रीय नेतृत्व वाली मजबूत संगठनात्मक रणनीति ने बिहार में सामूहिक चुनावी सफलता और राज्यों में सत्ता की स्थिरता सुनिश्चित की है। सच कहूं तो भाजपा और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राजनीतिक रणनीति और लाभ बिहार की राजनीति में अहम भूमिका निभाते रहे हैं। नीतीश कुमार की रणनीति में सबसे प्रमुख था 'सुशासन' का एजेंडा, जो 2005 से लेकर अब तक उनके राजनीतिक अभियान की पहचान बना। उन्होंने कानून व्यवस्था, बुनियादी ढांचे, और सामाजिक कल्याण पर जोर देकर खुद को एक सुदृढ़ और भरोसेमंद प्रशासक के रूप में स्थापित किया।

एशेज :

स्टार्क के बाद स्टोक्स का 'पंजा', पहले ही दिन गिरे 19 विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज 2025-26 की शुरुआत बेहद रोमांचक रही। मुकाबले के पहले ही दिन 19 विकेट गिरे। इंग्लैंड को 172 रन पर समेटने के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम ने महज 123 रन तक अपने 9 विकेट गंवा दिए हैं। फिलहाल मेजबान टीम इंग्लैंड से 49 रन पीछे है। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टार्क ने सात विकेट हासिल किए, जिसके बाद 5 विकेट के साथ इंग्लिश कप्तान बेन स्टोक्स ने करारा जवाब दिया है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम इस तेज पिच पर महज 32.5 ओवरों का ही सामना कर सकी। मेहमान टीम ने पहली पारी में सिर्फ 172 रन बनाए। इस टीम को छठी गेंद पर जैक क्रॉली (0) के रूप में बड़ा झटका लगा। उस समय तक इंग्लैंड का खाता भी नहीं खुल सका था। इसके बाद टीम ने 39 के स्कोर तक अपने 3 विकेट गंवा दिए। यहां से ओली पोप ने हैरी ब्रूक के साथ चौथे विकेट के लिए 67 गेंदों में 55 रन की पारी खेली। पोप 46 रन बनाकर आउट हुए। ब्रूक ने बेन स्टोक्स के साथ पांचवें विकेट के लिए 21 रन जुटाए, जबकि जेमी स्मिथ के साथ 45 रन की साझेदारी की। इंग्लैंड की इस पारी में हैरी ब्रूक अर्धशतक लगाने वाले इकलौते बल्लेबाज रहे। उन्होंने 61 गेंदों में 1 छक्के और 5 चौकों के साथ 52 रन की पारी खेली, जबकि जेमी स्मिथ ने टीम के खाते में 33 रन जोड़े। मेजबान टीम की ओर से मिचेल स्टार्क ने 12.5 ओवरों में 58 रन देकर 7 विकेट हासिल किए, जबकि ब्रेंडन डोगेट ने 2 विकेट अपने नाम किए। शेष एक विकेट कैमरून ग्रीन ने निकाला।

इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले दिन की समाप्ति तक 39 ओवरों में 9 विकेट खोकर 123 रन बनाए। इंग्लैंड की तरफ से ऑस्ट्रेलिया ने भी खाता खुलने से पहले ही सलामी बल्लेबाज का विकेट गंवा दिया था। डेब्यूटेंट जैक वेदरलैंड शून्य पर पवेलियन लौटे। कप्तान स्टीव स्मिथ ने मार्नस लाबुशेन के साथ दूसरे विकेट के लिए 28 रन की साझेदारी की। लाबुशेन महज 9 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद टीम ने 31 के स्कोर तक 4 विकेट गंवा दिए। यहां से ट्रेविस हेड ने कैमरून ग्रीन के साथ पांचवें विकेट के लिए 45 रन की साझेदारी की। हेड टीम के खाते में 21 रन जोड़कर आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से पहली पारी में एलेक्स कैरी ने सर्वाधिक 26 रन बनाए, जबकि कैमरून ग्रीन ने 24 रन जुटाए। दिन की समाप्ति तक नाथन लियोन (3) और ब्रेंडन डोगेट (0) अंतिम जोड़ी के रूप में नाबाद रहे।

भारत-साउथ अफ्रीका दूसरा टेस्ट आज से गुवाहाटी में

- टीम इंडिया पर क्लीन स्वीप होने का खतरा
- नीतीश रेड्डी को मिल सकता है मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 2 टेस्ट की सीरीज का दूसरा मुकाबला आज से गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में खेला जाएगा। मैच सुबह 9:00 बजे शुरू होगा, टॉस 8:30 बजे होगा। भारतीय कप्तान शुभमन गिल का इस मैच में खेलना मुश्किल है। ऐसे में नीतीश रेड्डी को मौका मिल सकता है।

भारत सीरीज में 0-1 से पीछे हैं। साउथ अफ्रीका ने पहला मैच 30 रन से जीता था। पहले टेस्ट में हार के बाद मेजबान भारत पर क्लीन स्वीप होने का खतरा मंडरा रहा है। इस मैदान पर पहली बार टेस्ट मैच खेला जाएगा, ऐसे में पिच और परिस्थितियों को देखते हुए प्लेइंग इलेवन का सिलेक्शन भी अहम रहने वाला है। पहले टेस्ट में भारतीय बल्लेबाज बड़ी पारियां खेलने में नाकाम रहे थे। शुरुआती ओवर्स में पेसर्स और बाद में स्पिनर्स के सामने बल्लेबाज लगातार दबाव में दिखाई दिए।

गिल के खेलने पर संशय

भारतीय कप्तान शुभमन गिल कोलकाता टेस्ट में गर्दन में ऐंठन की वजह से पहली पारी सिर्फ तीन गेंदें खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। मुकाबले के तीसरे दिन की सुबह, बीसीसीआई ने कहा कि वह टेस्ट में आगे हिस्सा नहीं लेंगे। गिल के दूसरे टेस्ट में भी खेलने पर संशय बना हुआ है।

शुभमन गिल की जगह बल्लेबाजी कर सकते हैं ध्रुव जुरेल: सीतांशु कोटक

गुवाहाटी, एजेंसी। भारत के बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक ने गुवाहाटी में शनिवार से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट से पहले कप्तान शुभमन गिल की रिकवरी पर अपडेट दिया है। कोटक ने कहा कि गिल तेजी से रिकवर कर रहे हैं। कोटक ने कहा, 'वह निश्चित रूप से ठीक हो रहे हैं।

मैं उनसे कल मिला था। फिजियो और डॉक्टरों को यह तय करना है कि अगर वह पूरी तरह से ठीक भी हो जाते हैं, तो मैच के दौरान ऐंठन दोबारा होने की संभावना है या नहीं। यह बहुत जरूरी है। अगर कोई भी संशय है, तो मुझे यकीन है कि वह एक और गेम के लिए आराम करेंगे। एक खिलाड़ी और कप्तान के रूप में शुभमन की कमी टीम को खलेगी।' उन्होंने कहा, 'भारतीय टीम में गहराई है। अगर गिल दूसरे टेस्ट में नहीं खेलते हैं, तो हमारे पास उनकी जगह लेने के लिए अच्छे खिलाड़ी हैं। हो सकता है गिल की जगह खेलने वाला गुवाहाटी में शतक लगा दे।'

बल्लेबाजी कोच ने संकेत दिया कि अगर गिल दूसरे टेस्ट में नहीं खेलते हैं, तो उनकी जगह ध्रुव जुरेल चौथे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं।

आईजीपीएल :

प्रणवी ने रचा इतिहास, पुरुष खिलाड़ियों को पछाड़कर जीता आईजीपीएल खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रणवी ने आईजीपीएल आमंत्रण मुंबई में अंतिम दौर में आठ अंडर 60 का हफ्ते का सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया। प्रणवी का कुल स्कोर 18 अंडर रहा। प्रणवी उर्स गुरुवार को आईजीपीएल टूर में इतिहास रचते हुए पुरुष खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए पेशेवर टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय महिला गोल्फर बनीं। प्रणवी ने आईजीपीएल आमंत्रण मुंबई में अंतिम दौर में आठ अंडर 60 का हफ्ते का सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया। प्रणवी का कुल स्कोर 18 अंडर रहा। कल तक शीर्ष पर चल रहे करणदीप कोच्चर अंतिम दौर में 64 के स्कोर से कुल 12 अंडर के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

भारत-पाकिस्तान टी-20 वर्ल्ड कप में 15 फरवरी को भिड़ेंगे

टूर्नामेंट की शुरुआत 7 फरवरी से; फाइनल 8 मार्च को अहमदाबाद में हो सकता है

दुबई, एजेंसी। अगले साल होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान मैच 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जा सकता है। यहां पर 5 अक्टूबर को विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान मैच भी खेला गया था। रिपोर्ट्स के अनुसार बीसीसीआई ने अपना प्रस्तावित शेड्यूल आईसीसी को भेज दिया है। आईसीसी जल्दी ही इसका ऐलान कर सकता है। टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 7 फरवरी से हो सकती है। जबकि, फाइनल मैच 8 मार्च को खेला जा सकता है। सेमीफाइनल और फाइनल के वेन्यू का निर्धारण भारत-पाकिस्तान की स्थिति पर निर्भर करेगा। अगर पाकिस्तान की टीम फाइनल में नहीं पहुंचती है तो यह मुकाबला अहमदाबाद में होगा। पाकिस्तान के फाइनल के लिए क्वालिफाई करने पर मुकाबला श्रीलंका में खेला जाएगा। आईसीसी या बीसीसीआई की ओर से शेड्यूल पर अबतक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

औद्योगिक क्षेत्र मालनपुर में सीएसआर फंड का बड़ा घोटाला

स्वयंसेवी संस्थाओं और कंपनी प्रबंधकों ने मिलकर सीएसआर फंड के डकारे करोड़ों रुपये

दिव्यानंद अर्गल

मालनपुर :- औद्योगिक क्षेत्र मालनपुर में पिछले करीब 40 वर्षों से सैकड़ो छोटी बड़ी इकाइयां संचालित है तो कई बड़े उद्योग बंद भी हो चुके हैं लेकिन फैक्ट्री प्रबंधकों और शासन की अनदेखी तो प्रशासन की मनमानी के चलते कभी भी कंपनियों ने अपना फर्ज ईमानदारी से नहीं निभाया है बल्कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों को खुश करने में ही रुचि दिखाई है और आम जनता आज भी अपने हक से वंचित है दरअसल सीएसआर फंड उन वित्तीय संसाधनों को संदर्भित करता है जिन्हें कंपनियों द्वारा सामाजिक पर्यावरणीय और सामुदायिक विकास से संबंधित गतिविधियों का समर्थन करने के लिए आवंटित किया जाता है भारत में कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने कंपनी अधिनियम 2013 की तहत सीएसआर को कानूनी रूप से अनिवार्य कर दिया है कुछ निर्धारित वित्तीय मानदंडों अथवा टर्नओवर को पूरा करने वाली कंपनियों के लिए अपने पिछले तीन वर्षों के औसत शुद्ध लाभ का कम से कम 2% सीएसआर गतिविधियों पर खर्च करना अनिवार्य है सीएसआर फंड का उपयोग विभिन्न सामाजिक जनहित के कार्यों के लिए किया जाता है जैसे शिक्षा स्वास्थ्य सेवाएं गरीबी उन्मूलन लैंगिक समानता पर्यावरण स्थिरता और ग्रामीण विकास परियोजनाओं पर खर्च किया जाता है कंपनियां इन गतिविधियों को सीधे तौर पर या गैर सरकारी संगठनों अथवा एनजीओ के माध्यम से लागू कर सकती हैं बशर्ते वे संगठन निर्धारित पात्रता को

पूरा करते हो लेकिन औद्योगिक क्षेत्र मालनपुर में कंपनियों ने सीएसआर फंड में भी बड़ा गोलमाल किया है क्योंकि यहां के जिम्मेदार लोगों और नेताओं ने कभी भी प्रयास नहीं किया कि सीएसआर फंड से जनता की हित के कार्यों को किया जाए बल्कि अपनी जेबें भरते रहे हैं यही कारण है कि औद्योगिक क्षेत्र मालनपुर आज भी विकसित नहीं हो सका है तो दूसरी ओर कई कंपनियों के द्वारा फैलए जा रहे प्रदूषण से परेशान है l कंपनी प्रबंधकों ने मालिकों को गुमराह कर स्थानीय नेताओं को खुश कर अपनी जेबें भरी है यही कारण है कि एनजीओ के द्वारा कराए गए सीएसआर के कार्य जमीन पर दिखाई नहीं देते हैं लोगों का कहना है कि एनजीओ ने हमेशा सीएसआर फंड से कार्यक्रम आयोजित कर फोटो खिंचाकर फॉर्मेलिटी कर करोड़ों का गोलमाल किया है जिनकी बड़े स्तर पर जांच की जाना चाहिए l

स्थानीय लोगों ने कैडबरी प्रबंधन लगाए सीएसआर फंड में घपले के आरोप

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रामनारायण हिंडोलिया औद्योगिक क्षेत्र मालनपुर में संचालित मोड़लेज (कैडबरी) कंपनी पर सीएसआर फंड में गड़बड़ झाले का आरोप लगा चुके हैं। उन्होंने पूर्व में तत्कालीन कलेक्टर भिंड को पत्र लिखकर जांच कराए जाने की मांग की थी तो वही क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता बृजेंद्र पाल बंसल ने भिंड के पूर्व कलेक्टर संजीव श्रीवास्तवद्वारा को शिकायत कर सीएसआर फंड में हुए घपले की जांच करने की मांग की थी, उन्होंने पत्र में उल्लेख किया था कि कंपनी प्रबंधन और स्वयंसेवी संस्था सामाजिक कार्यों के नाम पर सीएसआर फंड बंदर बांट कर हड़प रही है उन्होंने तो पत्र में यहां तक मांग की थी कि बाकायदा एक समिति बनाई जाए जिसमें प्रशासनिक अधिकारी क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि हो और उनकी देखरेख मे सी एस आर की राशि सामाजिक और जनहित कार्यों पर खर्च की जाए तो क्षेत्र की तस्वीर ही बदल जाएगी l

इनका कहना है

मुझे क्षेत्रीय लोगों से जानकारी मिली है कि कैडबरी कंपनी के अलावा अन्य कंपनियों में सीएसआर फंड के नाम पर करोड़ों का घपला हुआ है। मैं इस संबंध में कलेक्टर से बात करूंगा और इस मामले को विधानसभा में उठाऊंगा

केशव देसाई विधायक गोहद

हरियाणा, करनाल में आयोजित छठी विश्व स्तरीय योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2025 में इंदौर के बच्चों का शानदार प्रदर्शन-7 पदकों के साथ भारत का परचम लहराया

राजेश धाकड़

हरियाणा के करनाल में आयोजित 6th World-Level Yogasana Sports Championship 2025 में इंदौर के उदयीमान खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शहर और प्रदेश का नाम रोशन किया। 13 से 16 नवंबर तक चली इस चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में इंदौर के प्रतिभाशाली बच्चों ने कुल 7 पदक जीते, जिनमें 6 रजत और 1 कांस्य पदक शामिल रहा।,इंदौर के पदक विजेताओं में,सिद्धि चौहान, वैदेही अग्रवाल, आध्या लड्ढा, गौरव चक्रवर्ती और इशित छिपानी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रजत एवं कांस्य पदक अपने नाम किए। इसके साथ ही आर्य प्रजापत, रेवांशी शुक्ला, यथेष्ठ रसीले और मनन जोशी ने मेरिट सूची में स्थान बनाकर प्रदेश का गौरव बढ़ाया और प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का दमदार प्रदर्शन किया।,यह प्रतिष्ठित आयोजन योग स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा किया गया, जो एशियन स्पोर्ट्स योगासन फेडरेशन एवं श्रवाय योग इंटरनेशनल स्पोर्ट्स फेडरेशन से मान्यता प्राप्त है। प्रतियोगिता में जापान, फिनलैंड, थाईलैंड, फिलिपींस, दुबई, ईरान, सिंगापुर, मलेशिया और वियतनाम सहित कई देशों के खिलाड़ियों ने भाग लेकर योग की वैश्विक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा की मेयर एवं ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ मेयर्स की अध्यक्ष रेणु बाला गुप्ता, सेक्रेटरी जनरल नीरज कुमार सोंधी, ईरान के मिर्ज़ाजानी, फिनलैंड की सोफिया, जापान की मिकी निझकी, वियतनाम के केएलजी ट्रान तन सन, तथा एशियन योगासन फेडरेशन के एग्जीक्यूटिव सदस्य नरपिंदर सिंह उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और योग के वैश्विक प्रभाव तथा भारतीय खिलाड़ियों की बढ़ती क्षमता की सराहना की,इंदौर के इन प्रतिभाशाली बच्चों की उपलब्धि न केवल शहर और प्रदेश के लिए गौरव का विषय है, बल्कि यह भारतीय योग प्रतिभा की विश्व मंच पर मजबूत होती पहचान का प्रतीक भी है।

प्रकृति से जुड़कर ब्रम्हांड की सृष्टि का उद्देश्य पूर्ण करना मानव धर्म

प्रकृति से मानव की एकाकारिता कराता है सहज योग

मम योनिर्महद्ब्रह्म तस्मिन् गर्भं दधाम्यहम्।
संभवः सर्वभूतानां ततो भवति भारत।।14.3

गीता के इस अध्याय में श्री कृष्ण अर्जुन को सम्बोधित करते हुए भारत कहते हैं। भा माने आभा, प्रकाश, ज्ञान। हमारे देश का नाम भारत दुष्यन्त और शकुन्तला के पुत्र भरत के नाम से पड़ा है और भारत के रत का अर्थ है रमण करने वाला ऐसा वह देश जहाँ पर ऋषि-मुनियों ने अपनी तपस्या से बहुत सारी तरङ्गे जो परमात्मा से प्राप्त किया और वेदों में, उपनिषदों में एवं बाकी सभी ग्रन्थों में, उन्होंने वह ज्ञान हमारे लिए प्रस्फुटित कर दिया। इसीलिए भगवान कहते हैं कि तुममें अभी भी उस ज्ञान की इच्छा बह रही है इसलिए तुम्हें मैं यह ज्ञान बताना चाहता हूँ, जो ज्ञान तुम्हारे जीवन में आने के बाद, उसका मनन करने के बाद तुम महात्मा का साधर्म्य प्राप्त कर लोगे। तुम्हारे अज्ञान के बादल हट जायेंगे।

जड़ और चेतन के सहयोग से ही सृष्टि का सारा कार्य चलता है। हमारे दो रूप हैं, एक स्थूल है जो हमें दिखता है और एक सूक्ष्म जो अन्दर है, चेतन के रूप में। जैसे पंखा है, उसका बाह्य रूप है ढाँचा किन्तु उसके अन्दर यदि विद्युत प्रभावित नहीं होती तो पंखा संचालित नहीं होगा और दूसरा यदि विद्युत वहाँ तक आ गई किन्तु पंखा नहीं है तो भी कार्य नहीं होगा क्योंकि दोनों के मिलाप से कार्य चलता है। उसी प्रकार जड़ और चेतन के मिलाप से इस सम्पूर्ण सृष्टि का कार्य चलता है जिसे स्वयं का ज्ञान नहीं अन्य का भी नहीं तो चैतन्य प्रभावी कैसे होगा लेकिन जिसे स्वयं का ज्ञान है, चेतन का भी ज्ञान है, वह संसार के उत्थान हेतु कार्य कर सकता है। भगवान कहते हैं यह सृष्टि प्रकृति व पुरुष के सहयोग से संचालित होती है। यह महद्ब्रह्म मेरी प्रकृति है और इससे जुड़कर मेरे ब्रम्हांड की सृष्टि का उद्देश्य पूर्ण करना मानव धर्म।

सहज योग के माध्यम से यह एकाकारिता आसानी से हो जाती है। क्योंकि यहाँ चैतन्य का सुंदर प्रवाह हम महसूस कर सकते हैं। परम पूज्य श्री माताजी के अवतरण का उद्देश्य ही मानव को सहजता से इस गहन ध्यान से जोडना है ताकि सृष्टि का उद्देश्य पूरा हो सके। इस संदर्भ में परमपूज्य श्री माताजी के 21 जनवरी 1975 के इस प्रवचन को भी समझते हैं व आत्मसात करते हैं, "ये जो आपके हाथों से चैतन्य लहरियां बह रही हैं, ये वही सुगंध है जिसके सहारे

सारा संसार, सारी सृष्टि, सारी प्रकृति चल रही है" लेकिन आज आप वो चुने हुए फूल हैं, जो युगों से चुने गए हैं कि आज आप खिलेंगे और आपके अंदर से ये सुगंध संसार में फैल करके इस कीचड़ को, इस माया सागर की सारी गंदगी को खत्म कर देंगे। सहजयोग में आने के बाद मनुष्य सहज में ही उस उच्च स्थिति को प्राप्त कर सकता है जिसके लिए बड़े बड़े तपस्वियों को हजारों जन्म लेने पड़ते हैं। '" सहज योग पूर्णतया निशुल्क है। आत्मसाक्षात्कार को प्राप्त करने हेतु अपने नजदीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं।

धार में एसआईआर अभियान की प्रगति पर कलेक्टर का औचक निरीक्षण, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

दिलीप पाटीदार

धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने शुक्रवार को धार शहरी क्षेत्र का भ्रमण कर स्पेशल समरी रिवीजन (#SIR) से जुड़े कार्यों का औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए और चल रहे कार्यों में और अधिक गति लाने पर जोर दिया।भ्रमण के बाद कलेक्टर मिश्रा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के कार्य में धीमी प्रगति लेन वाले बीएलओ के साथ ही सभी एसडीएम और तहसीलदारों से विस्तृत चर्चा करते हुए अभियान की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि एसआईआर अभियान में शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने वाले बीएलओ को आगामी टीएल बैठक में प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने जिला स्तर के अधिकारियों की ड्यूटी निर्धारित होने की जानकारी देते हुए कहा कि प्रत्येक अधिकारी अपने क्षेत्र में निरंतर मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों से उनके कार्य, प्रगति, समय-सीमा और उन क्षेत्रों के बारे में पूछताछ की जहाँ और अधिक ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।

कलेक्टर ने बीएलओ से काम की कठिनाइयों को समझा और उनके समाधान भी बताए। साथ ही बीएलए से मिलने वाले सहयोग के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि आवश्यक हो तो क्षेत्रों में मुनादी कराई जाए ताकि अधिक से अधिक मतदाता अद्यतन प्रक्रिया से जुड़ सकें। उन्होंने अपील की कि जो भी मतदाता कार्यस्थलों पर जाते हैं, उनसे आग्रह किया जाए कि मात्र दस मिनट निकालकर अपने फॉर्म भरें, जिससे अभियान की प्रगति तेजी से सुनिश्चित की जा सके। कलेक्टर ने दोहराया कि जिला स्तर पर लगाए गए अधिकारी एसआईआर अभियान की सतत मॉनिटरिंग करें, ताकि सभी निर्धारित लक्ष्य समय पर पूरे हो सकें।

जन्मदिन की
अग्रिम शुभ सूचना

"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!

बस हमें भेजिएः 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो

2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।

भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278

रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"

रणजीत टाइम्स

दैनिक रणजीत टाइम्स
जिला एवं तहसील स्तर पर
एजेंसी देना है
अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

पुलिस अधीक्षक शिवपुरी के निर्देशन में पुलिस परेड ग्राउंड मे बलवा उपकरणों का प्रशिक्षण कराया गया

दीपक परमार

शिवपुरी पुलिस के द्वारा प्राप्त नवीन बलवा उपकरणों का इस्तेमाल करते हुये बलवा ड्रिल का अभ्यास किया। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन में शिवपुरी पुलिस को प्राप्त नवीन बलवा उपकरणों का उपयोग करते हुए पुलिस परेड ग्राउंड शिवपुरी में अभ्यास कराया गया।

शिवपुरी पुलिस के द्वारा आज पुलिस परेड ग्राउंड में बलवा के दौरान की जाने वाली कार्यवाहियों एवं हथियारों अश्रु गैस टियर गैस व स्वयं की सुरक्षा के लिये प्राप्त नवीन बलवा उपकरणों का इस्तेमाल कर प्रशिक्षण देकर अभ्यास कराया गया आज दिनांक को पुलिस

लाइन में समस्त थानों एवं पुलिस लाइन के बल सहित कुल संख्या 45 पुलिस जवानों को नए बलवा ड्रिल के उपकरणों को पहनना एवं उतारना, गैस गन, अश्रु गैस शैल , डाई मार्कर , स्टेन ग्रेनेड , एवं हथियारों का खोलना और जोड़ना सिखाया गया और गैस गन से अश्रु गैस के शैल चलवाए गए।

इंदौर-नागपुर के बीच अब 16 कोच की वंदे भारत एक्सप्रेस, 1000 से अधिक यात्री कर सकेंगे सफर

रेणु कैथवास

इंदौर। नागपुर वंदे भारत एक्सप्रेस में यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए रेलवे ने इस ट्रेन में आठ की जगह 16 कोच लगाने का निर्णय लिया है। अतिरिक्त कोच का रैक इंदौर पहुंच चुका है और रेलवे के अनुसार संभवतः सोमवार से ट्रेन को 16 कोच के साथ रवाना किया जाएगा। नए रैक जुड़ने के बाद प्रतिदिन 1,000 से अधिक यात्री यात्रा कर सकेंगे। फिलहाल ट्रेन की क्षमता करीब 532 यात्रियों की है, लेकिन कोच बढ़ने के बाद यह क्षमता लगभग दोगुनी हो जाएगी। यह ट्रेन सप्ताह में छह दिन चलती है, रविवार को इसका संचालन नहीं होता। रेलवे विशेषज्ञ नागेश नामजोशी ने बताया कि यह रैक पहले भी इंदौर आया था, लेकिन अन्य रूट

की आवश्यकता के कारण वापस भेजना पड़ा था। माना जा रहा है कि वही रैक पुनः इंदौर भेजा गया है। 2023 में भोपाल–इंदौर वंदे भारत को नागपुर तक बढ़ाए जाने के बाद से इस रूट पर यात्रियों का रिस्पांस लगातार बढ़ रहा है।

हेरिटेज ट्रेन संचालन बंद

पश्चिम रेलवे ने पातालपानी-कालाकुंड हेरिटेज ट्रेन का संचालन इस वर्ष समयपूर्व बंद कर दिया है। सामान्यतः यह ट्रेन अगस्त से मार्च-अप्रैल तक चलती थी, लेकिन इस वर्ष नवंबर में ही संचालन रोक दिया गया है। कारण-महू से पातालपानी तक ब्रॉडगेज लाइन का काम पूरा होने के बाद अब यह ट्रैक चोरल होते हुए खंडवा तक जोड़ा जाएगा।

रणजीत टाइम्स के 10 वर्ष पूरे होने पर कैबिनेट मंत्री और भाजपा अध्यक्ष ने दी बधाई

रणजीत टाइम्स

राजेश सोनी

झाबुआ : रणजीत टाइम्स अखबार ने अपनी सच्ची और निष्पक्ष पत्रकारिता के 10 वर्ष पूरे कर लिए है। इस अवसर पर रणजीत टाइम्स परिवार की और से महिला एवं बाल विकास कैबिनेट मंत्री निर्मला भूरिया और झाबुआ भाजपा जिलाध्यक्ष भानू भूरिया को "माता अहिल्या न्याय, सेवा और शौर्य की प्रतिमूर्ति" की प्रतिमा 'भेंट की गई। मंत्री निर्मला भूरिया और भाजपा जिलाध्यक्ष भानू भूरिया ने रणजीत टाइम्स की सच्ची और निष्पक्ष पत्रकारिता की प्रशंसा करते हुए कहा, "रणजीत टाइम्स ने अपने 10 वर्षों के सफर में पत्रकारिता के उच्च मानकों को स्थापित किया है। अखबार की टीम को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

रणजीत टाइम्स के संपादक ने कहा, हमारी सफलता का एकमात्र उद्देश्य है पाठकों का विश्वास और समर्थन। हम अपने पाठकों के लिए हमेशा सच्ची और निष्पक्ष खबरें लाने का प्रयास करते हैं। और पाठकों के इसी विश्वास से सफल 10 वर्षों का सफर पूरा हुआ है। रणजीत टाइम्स ने अपने 10 वर्षों के सफर में मध्यप्रदेश में पत्रकारिता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अखबार की टीम ने इस उपलब्धि के लिए अपने पाठकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया है।

विशेष मैगजीन का विमोचन

रणजीत टाइम्स अखबार ने अपने सफल 10वर्ष पूरे कर लिए, इसकी उपलब्धियों के लेकर पाठकों के लिए एक विशेष मैगजीन तैयार की गई है। इस मैगजीन का विमोच्चन प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा किया जाएगा। यह मैगजीन रणजीत टाइम्स के 10 वर्षों के सफर और उपलब्धियों का विस्तृत वर्णन करेगी।

एक उद्देश्य : केंद्र में पाठक इसलिए रणजीत टाइम्स नंबर 1 यह नारा रणजीत टाइम्स की पाठक केंद्रित नीति को दर्शाता है। अखबार की टीम ने भविष्य में भी अपने पाठकों के लिए उत्कृष्ट कार्य करने का संकल्प लिया है।

मोबाइल बना मानसिक स्वास्थ्य के लिए खतरा, 73% लोग डिजिटल डिपेंडेंसी के शिकार

रेणु कैथवास

इंदौर। एमजीएम मेडिकल कॉलेज के मनोरोग विभाग द्वारा मोबाइल की लत से जूझ रहे 500 लोगों पर किए गए अध्ययन ने गंभीर और चौंकाने वाले तथ्य उजागर किए हैं। रिपोर्ट के अनुसार मोबाइल अब केवल तकनीक का साधन नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डालने वाला कारक बनता जा रहा है। अध्ययन में शामिल 73% लोग मोबाइल एडिक्शन यानी डिजिटल डिपेंडेंसी से प्रभावित पाए गए। विशेषज्ञों का कहना है कि लगातार मोबाइल उपयोग से लोग बिना महसूस किए मानसिक रूप से अवसाद की स्थिति में जा रहे हैं।

मूक अवसाद तक पहुँच रहे लोग

रिपोर्ट में सामने आया कि अत्यधिक स्क्रीन टाइम के चलते व्यक्ति बाहरी तौर पर सामान्य दिखता है, लेकिन भीतर ही भीतर तनाव और अवसाद को झेल रहा होता है। अध्ययन में 80% प्रतिभागियों में हल्के लेकिन लगातार बने रहने वाले अवसाद के लक्षण पाए गए। विशेषज्ञों के अनुसार, लोग भावनात्मक थकान, चिड़चिड़ापन, सामाजिक दूरी और नींद में कमी जैसे लक्षणों का सामना कर रहे हैं, जो लंबे समय में बड़े मानसिक रोग का रूप ले सकते हैं।

स्क्रीन पर बीत रहे 75 दिन अध्ययन में हिस्सा लेने वाले लोगों का औसत स्क्रीन टाइम प्रतिदिन 7 घंटे पाया गया। इस हिसाब से व्यक्ति साल में करीब 1800 घंटे यानी लगभग 75 दिन केवल मोबाइल पर बिता देता है। चिकित्सकों के अनुसार, यह समय काम, पढ़ाई और सामाजिक जीवन से कटाव की वजह बन रहा है, जिससे मानसिक असंतुलन और भावनात्मक खालीपन बढ़ रहा है।

विशेषज्ञों की सलाह

विशेषज्ञों ने मोबाइल उपयोग को नियंत्रित करने के लिए कुछ सुझाव दिए-

सोने से पहले मोबाइल का उपयोग न करें।

सोशल मीडिया नोटिफिकेशन सीमित करें।

दिन में फोन-फ्री घंटे रखें।

परिवार और दोस्तों के साथ ऑफलाइन समय बढ़ाएँ।

जरूरत हो तो मेडिकल काउंसलिंग लें।